

अध्याय - 5 | भू-आकृतिक प्रक्रियाएँ

QUIZ
PART-02

1. अंतर्जनित प्रक्रियाओं के लिए ऊर्जा का मुख्य स्रोत क्या है?

- A. सूर्य की ऊष्मा
B. पृथ्वी के अंदर से निकलने वाली ऊर्जा
C. वायुमंडलीय दाब
D. महासागरीय धाराएँ (B)

व्याख्या: अंतर्जनित प्रक्रियाएँ पृथ्वी के अंदर से निकलने वाली ऊर्जा पर आधारित होती हैं जो पृथ्वी की उत्पत्ति से संचित ऊष्मा, घर्षण और रेडियोधर्मी पदार्थों के क्षय से उत्पन्न होती है।

2. अंतर्जनित प्रक्रियाओं का कार्य क्या होता है?

- A. धरातल को घिसना
B. धरातल का निर्माण और उत्थान
C. हवा की दिशा बदलना
D. समुद्री लहरों का निर्माण (B)

व्याख्या: अंतर्जनित प्रक्रियाएँ धरातल के भागों को ऊपर उठाने, मोड़ने या तोड़ने के कार्य में सक्रिय होती हैं जिससे नई भू-आकृतियाँ बनती हैं।

3. अंतर्जनित प्रक्रियाओं में प्रमुख बल कौन से हैं?

- A. बाह्य बल
B. आंतरिक ऊष्मा और भू-तापीय प्रवाह
C. समुद्री लहरें
D. वायुमंडलीय गैसें (B)

व्याख्या: अंतर्जनित बल भू-तापीय प्रवाह और आंतरिक ऊष्मा से उत्पन्न होते हैं जो पपड़ी को ऊपर उठाने और विस्थापित करने का कार्य करते हैं।

4. पटल निरूपण (Crustal Deformation) क्या है?

- A. धरातल के क्षरण की प्रक्रिया
B. धरातल की सतह का ऊपर उठना, झुकना या टूटना
C. लहरों द्वारा रेत का जमाव
D. नदियों की घुमावदार गति (B)

व्याख्या: पटल निरूपण वह प्रक्रिया है जिसमें पृथ्वी की पपड़ी का उत्थान, झुकाव या विकृति होती है जिससे पर्वत, भ्रंश और भ्रूण जैसी संरचनाएँ बनती हैं।

5. ज्वालामुखीयता किससे संबंधित है?

- A. बाह्य बलों से
B. अंतर्जनित ऊष्मा से
C. जल चक्र से
D. नदियों से (B)

व्याख्या: ज्वालामुखीयता अंतर्जनित ऊष्मा से संबंधित प्रक्रिया है जिसमें लावा पृथ्वी के भीतर से ऊपर आकर धरातल का निर्माण करता है।

6. अंतर्जनित प्रक्रियाओं का प्रमुख परिणाम क्या है?

- A. नई भू-आकृतियों का निर्माण
B. पुरानी भू-आकृतियों का घिसाव
C. जल स्तर में परिवर्तन
D. मृदा का अपक्षय (A)

व्याख्या: अंतर्जनित प्रक्रियाएँ धरातल के उत्थान और नवनिर्माण से नई भू-आकृतियों का निर्माण करती हैं जैसे पर्वत, पठार आदि।

7. पृथ्वी की पपड़ी असमतल क्यों है?

- A. अपक्षय की वजह से
B. ज्वालामुखियों के कारण
C. भू-तापीय प्रवाह और आंतरिक ऊष्मा में अंतर के कारण
D. महासागरीय धाराओं के कारण (C)

व्याख्या: पृथ्वी की पपड़ी की मोटाई और दृढ़ता में अंतर तथा भू-तापीय प्रवाह के असमान वितरण के कारण सतह असमतल है।

8. पटल निरूपण किस प्रकार की प्रक्रिया है?

- A. अंतर्जनित प्रक्रिया
B. बहिर्जनित प्रक्रिया
C. जलीय प्रक्रिया
D. वायुमंडलीय प्रक्रिया (A)

व्याख्या: पटल निरूपण अंतर्जनित प्रक्रिया है क्योंकि यह पृथ्वी के अंदर से उत्पन्न ऊष्मा और बलों के कारण होती है।

9. अंतर्जनित प्रक्रियाओं में कौन-सी दो मुख्य उप-प्रक्रियाएँ सम्मिलित हैं?

- A. अपक्षय और निक्षेपण
B. पटल निरूपण और ज्वालामुखीयता
C. अपरदन और घर्षण
D. मृदा निर्माण और जल प्रवाह (B)

व्याख्या: अंतर्जनित प्रक्रियाओं में दो प्रमुख उप-प्रक्रियाएँ होती हैं – पटल निरूपण (crustal deformation) और ज्वालामुखीयता (volcanism)।

10. पृथ्वी की ऊष्मा का स्रोत क्या है?

- A. सूर्य का विकिरण
B. रेडियोधर्मी पदार्थों का क्षय और पृथ्वी की उत्पत्ति से जुड़ी ऊष्मा
C. जल चक्र की ऊर्जा
D. चंद्रमा का गुरुत्वाकर्षण (B)

व्याख्या: पृथ्वी की ऊष्मा का स्रोत रेडियोधर्मी तत्वों का क्षय, ज्वारीय घर्षण और पृथ्वी की उत्पत्ति से संचित ऊष्मा है।